29
जब्त किए गए अंशों का पुनर्निर्गमन

29.1 भूमिका

पिछले पाठ में आपने पढ़ा है कि यदि कोई अंशधारी कम्पनी द्वारा मांगी गई किसी भी राशि का भुगतान नहीं कर पाता है तो उसके अंश जब्त कर लिए जाते हैं। अब ये अंश कम्पनी की सम्पत्ति बन जाते हैं। कम्पनी अपनी आवश्यकतानुसार उन्हें किसी भी प्रकार से प्रयोग में ला सकती है। यह या तो उन्हें रद्द करके मांग पूंजी (Called up Capital) की मात्रा को कम कर सकती है अथवा उन्हें नए अंशधारियों को पुनः जारी कर सकती है। इस प्रकार के लेनदेन को जब्त किए गए अंशों का पुनर्निर्गमन कहते हैं।

आप यह जानते ही हैं कि अंशों को जब्त करने से ही अंश पूंजी में कमी आती है तथा उन अंशों के पुनर्निर्गमन के समय अंश पूंजी में याचित राशि (Called up Money) से वृद्धि भी होती है। अंशों के पुनर्निर्गमन पर प्राप्त नकद राशि को अंशों का "पुनर्निर्गमन मूल्य" (Re-Issue Price) कहते हैं। कम्पनी के निदेशक इन्हें अधिकतम उपलब्ध मूल्य (Best available price) पर बेचने का निर्णय ले सकते हैं। ये मूल्य अंकित मूल्य, अधिमूल्य या छूट सहित मूल्य हो सकता है।

29.2 उद्देश्य

इस पाठ को पढ़ने के पश्चात् आपः

- अंशों के पुनर्निर्गमन का अर्थ बता पाएंगें;
- आप अंशों के पुनर्निर्गमन की क्रियाविधि बता पाएंगें;

- आप किसी भी कंपनी द्वारा जब्त अंशों पर प्राप्त किया जा सकने वाला न्यूनतम पुनर्निर्गमन मूल्य (Minimum Reissue Price) व्यक्त कर पाएंगें;
- अंशों के पुनर्निर्गमन का लेखांकन करने के लिए आवश्यक सहायक प्रमाणकों का प्रत्यास्मरण कर सकेंगे;
- अंशों के पुनर्निर्गमन से संबंधित लेखा प्रमाणकों को बना सकेंगे; तथा अंश पुनर्निर्गमन की रोजनामचा प्रविष्टियां कर सकेंगे।

29.3 अंशों का पुनर्निर्गमन - अर्थ

पुनर्निर्गमन का अर्थ है कि एक बार निर्गमित या जारी अंशों को दोबारा निर्गमित या जारी करना। कानूनी तौर पर एक बार निर्गमित किए गए अंशों को कम्पनी रद्द तो नहीं कर सकती पर जब्त अवश्य कर सकती है। **इसलिए पुनर्निर्गमन का अर्थ जब्त किए गए अंशों के पुनर्निर्गमन से ही होता है।**

जब्त किए गए अंश कम्पनी के अधिकार में रहते हैं। ऐसे अंशों पर प्राप्त राशि को एक अलग खाते में लिखा जाता है जिसे "जब्त अंश खाता" (Share Forfeiture A/c) कहा जाता है। क्योंकि कम्पनी के पास जब्त अंशों की देय राशि का कुछ भाग ही पहुंचता है, इसलिए कंपनी यह चाहती है कि इन अंशों पर देय शेष राशि भी उसे मिल जाए। अतः कानून द्वारा कम्पनी को अधिकार प्राप्त है कि वह जब अंशों पर अदत्त (Outstanding) राशि का भुगतान करने को तैयार हो, जब्त किए अंश बेच सकती है। अंशों के इस विक्रय को "जब्त किए गए अंशों का पुनर्निर्गमन कहते हैं।"

अंशों के पुनर्निर्गमन के समय कंपनी के निदेशक जब्त किए गए अंशों का पुनर्निर्गमन मूल्य निर्धारित करते हैं। इन अंशों को सम मूल्य, अधिमूल्य अथवा छूट पर जारी किया जा सकता है। पुनर्निर्गमन की प्रक्रिया भी प्रथम निर्गमन की प्रक्रिया के समान है जिसमें आवेदन मंगाना, आबंटन करना, आबंटन राशि मंगाना, मांग राशि मंगवाना इत्यादि सम्मिलित हैं। परन्तु पुनर्निर्गमन के समय अक्सर ये अंश उन व्यक्तियों को जारी किए जाते हैं जो मांगी गई सम्पूर्ण राशि एक मुश्त देने को तैयार हो। **ये अंश किसी भी मूल्य पर जारी किए जा सकते हैं, परन्तु किसी भी स्थिति में पुनर्निर्गमित राशि तथा प्रथम निर्गमन के समय प्राप्त राशि मिल कर अंश के सममूल्य से कम नहीं होना चाहिए।** पुनर्निर्गमन के समय ये अंश छूट पर जारी किए जाते हैं। **लेकिन आपको यह याद रखना है कि इन अंशों पर दिया जाने वाला बट्टा किसी भी स्थिति में जब्त किए गए अंशों के "जब्त अंश खाते" में लिखी गई राशि से अधिक नहीं हो सकता।**

अंशों को जब्त करने के समय अंश पूंजी इन अंशों की याचित (Called up) राशि से कम हो जाती है। पुनर्निर्गमन के परिणामस्वरूप याचित राशि फिर से बढ़ जाती है। पुनर्निर्गमन द्वारा

इन अंशों का क्रेता "नया अंशधारी" बन जाता है। इस प्रकार, अंशों के पुनर्निर्गमन पर कभी हानि नहीं होती।

साधारणतया इन अंशों पर छूट पर पुनः जारी किया जाता है। किन्तु इस छूट की राशि इन अंशों पर जब्त राशि से अधिक नहीं होती। अगर प्रथम निर्गमन के समय इन अंशों को सममूल्य पर जारी किया गया हो तो जब्त राशि की गणना में कोई कठिनाई नहीं होती। परन्तु यदि अंशों को प्रथम निर्गमन के समय अधिमूल्य या छूट पर जारी किया गया हो तो जब्त राशि की गणना की जाती है। इन सभी स्थितियों में अंशों के पुनर्निर्गमन के समय दी जाने वाली छूट की अधिकतम सीमा अलग-अलग होती है।

आइए इसके बारे में समझें।

(i) **अंशों को पहले सममूल्य पर जारी किया गया होः** जब अंशों को प्रथम निर्गमन के समय सममूल्य पर जारी किया गया हो तो पुनर्निर्गमन के समय दी जाने वाली छूट की राशि उन अंशों पर जब्त की गई राशि के समान होगी।

(ii) **अंशों को पहले अधिमूल्य पर जारी किया गया होः** आपने पिछले पाठ में पढ़ा है कि यदि प्रथम निर्गमन के समय अंशों को अधिमूल्य पर जारी किया गया है तो उन्हें जब्त करते समय Share Capital A/c तथा Share Premium A/c के नाम पक्ष में संबधित राशियों से प्रविष्टि की जाती है। यदि अधिमूल्य राशि अंश जब्त करने से पूर्व प्राप्त कर ली गई है तो पुनर्निर्गमन के समय छूट की अधिकतम सीमा ज्ञात करने के लिए संपूर्ण जब्त राशि जिसमें अधिमूल्य राशि भी सम्मिलित है, को ध्यान में रखा जाता है।

(iii) **अंशों को पहले छूट पर जारी किया गया होः** इस स्थिति में वास्तविक प्राप्त राशि जब्त राशि होगी। पुनर्निर्गमन के समय छूट की अधिकतम सीमा इस जब्त राशि तथा प्रथम निर्गमन के समय दी गई छूट की राशि के बराबर होगी।

आइये इसे निम्न तालिका कीं सहायता से समझें।

पुनर्निर्गमन के समयय दी जाने वाली छूट की अधिकतम सीमा

प्रथम निर्गमन के समय अंशों को जारी किया।	अधिकतम छूट
सममूल्य/अधिमूल्य पर	कुल जब्त राशि जिसमें अधिमूल्य की राशि सम्मिलित है। (यदि अधिमूल्य प्राप्त हो गया है)।
छूट पर	कुल जब्त राशि जमा प्रथम निर्गमन के समय दी गई छूट की राशि

पाठगत प्रश्न 29.1

(क) निम्नलिखित की पूर्ति कीजिए

(i) अंशों के पुनर्निर्गमन से आशय..............................

(ii) सममूल्य/अधिमूलय पर जारी किए गए अंशां के पुनर्निर्गमन में दी जाने वाली बट्टे की अधिकतम राशि..

(iii) बट्टे पर पूर्वनिर्गमित अंशों पर दी जाने वाली बट्टे की अधिकतम राशि.... ....

(iv) अंशों के पुनर्निर्गमन पर निर्णय..........................द्वारा लिया जाता है।

(v) अंशों का पुनर्निर्गमन मूल्य...

(ख) निम्न परिस्थितियों में जब्त किए गए अंशों को पुनर्निर्गमित करते समय दी जाने वाली छूट की अधिकतम सीमा की गणना करें तथा उसे राशि स्तंभ में लिखें।

	Details	Amount (Rs)
(i)	Sanjay Ltd has issued 150 shares of Rs.50 each to Abhay. Abhay paid Rs.30/- only. So his shares are forfeited.	
(ii)	Girish has not paid Rs.35 including a premium of Rs.5/- to Brij Ltd. So Brij Ltd. has forfeited his 500 shares of Rs.50 each.	
(iii)	Johar Ltd. has issued 100 shares of Rs.20 to Vineet at a discount of Rs.1. Vineet has not paid the calls money of Rs.6/-.	

29.4 पुनर्निर्गमन की लेखा विधि

कंपनी को अंशों के पुनर्निर्गमन की पूर्ण स्वतंत्रता है। कंपनी के निदेशक कंपनी के हित को देखते हुए इस विषय में निर्णय ले सकते हैं। अंशों के निर्गमन के लिए कंपनी को विवरण-पत्र (Prospectus) जारी करने की आवश्यकता नहीं। पुनर्निर्गमित अंश जनसाधारण को जारी करने की आवश्यकता नहीं। पुनर्निर्गमित अंश जनसाधारण को जारी नहीं किए जाते। यह भी आवश्यक नहीं कि निदेशक जब्त किए सभी अंशों का निर्गमन एक साथ करें। वे कुछ-कुछ अंशों का निर्गमन कुछ समय के अंतराल में करने का निर्णय भी कर सकते हैं।

जब निदेशक अंशों को जब्त कर देते हैं तो पुराने अंशधारी को "अंश प्रमाण-पत्र" लौटाने के लिए कहा जाता है ताकि उसे रद्द किया जा सके। इन प्रमाण-पत्रों के रद्द हो जाने के बाद निदेशक इन अंशों के पुनर्निर्गमन का निर्णय ले सकते हैं। यह निर्णय अंशों के क्रेता के नाम से एक पारित प्रस्ताव द्वारा लिया जाता है। यह प्रस्ताव निम्न प्रकार से होता है।

Resolved that ____________ Equity Shares of the company of Rs. _________________ each, Rs. ________________ paid up numbered ____________ to _______________ inclusive, which were forfeited by Board Resolution dated _____________ are hereby sold to Mr. _____________ of ____________ for the sum of Rs.____________ per share payable on or before __________ 19 _______ and that upon payment of the said sum, a share certificate for ____________ shares be duly issued to the purchaser and the said shares be credited as paid up to the extent of Rs._______ per share.

उपरोक्त की रोजनामचा प्रविष्टि निम्न प्रकार होगीः

Bank A/c Dr (पुनर्निर्गमन की प्राप्त राशि से)
Share forfeited A/c Dr (दिये गये बट्टे की राशि से)

To Share Capital A/c (भुगतान की गयी मानी राशि से)
(Being the forfeited ______ shares re-issued @
Rs. ______ per share)

उक्त प्रस्ताव जब्त किए गए अंशों के पुनर्निर्गमन के लेखांकन के सहायक प्रमाणक का कार्य करता है।

उपरोक्त सहायक प्रमाणक के आधार पर इन पुनर्निर्गमन के समय निम्नलिखित लेखांकन प्रमाणक तैयार किए जाएंगे।

(i) **प्राप्त की गई राशि का लेखा** : सबसे पहले पुनर्निर्गमन पर प्राप्त राशि का लेखन एक जमा प्रमाणक में किया जाता है। यह राशि बराबर है

प्रत्येक अंश के देय मूल्य x पुनर्निर्गमित अंशों की संख्या

प्राप्त की गई राशि का क्रेडिट प्रमाणक इस प्रकार होगा।

CREDIT VOUCHER

Company's Name	
Voucher No......... Date..................	*Amount Rs.*
Credit Share Capital A/c (Being the entry for re-issue of _____ shares of Rs. ________ each and called up Rs.________ per share, for a price of Rs______ per share, received in cash)	
Sd/- Manager Sd/- Accountant	

पुनर्निर्गमन पर प्राप्त राशि अंश पूंजी का एक भाग होती है। इसलिए यह राशि खाते में जमा में प्रदत्त राशि के रूप में लिखी जाती है। स्मरण रहे कि "सभी जब्त किए गए अंशों का पुनर्निर्गमन एक ही समय करना जरूरी नहीं। इसलिए केवल प्राप्त मूल्य के ही लिए जमा प्रमाणक बनाया जाएगा।

(ii) **पुनर्निर्गमन पर दिए गए बट्टे का लेखनः** जैसा कि आप जानते ही हैं पुनर्निर्गमित अंशों को बट्टे पर भी बेचा जा सकता है लेकिन यह बट्टा अंशों की जब्त की गई राशि से अधिक नहीं हो सकता। इस बट्टे के लेखन के लिए निम्नलिखित हस्तांतरण प्रमाणक बनाया जाएगा–

TRANSFER VOUCHER :

Company's Name	
Voucher No......... Date..................	*Amount Rs.*
Debit Share Forfeited A/c (Being the amount of discount allowed on ________ reissued shares.	
Credit Share Capital A/c	
Sd/- Manager Sd/- Accountant	

इस प्रकार पुनर्निर्गमन के समय दिया गया बट्टा "जब्त अंश खाते" के डेबिट में लिखा जाता है तथा वही राशि अंश पूंजी खाते में क्रेडिट में पुनर्निर्गमित अंशों पर प्रदत्त राशि केरूप में लिखी जाती है। पनुर्निर्गमित अंशों पर बट्टे की गणना निम्न प्रकार से की जाती है।

(पुनर्निर्गमित अंश की संख्या) x (प्रत्येक पुनर्निर्गमित अंश पर याचित मूल्य-प्रत्येक अंश का मूल्य)

नोटः

(i) अंशों के पुनर्निर्गमन पर दिया गया बट्टा कभी भी जब्त की गयी राशि से अधिक नहीं हो सकता

(ii) जब्त की गई राशि पुनर्निर्गमित पर दिये बट्टे से अधिक है तो यह कम्पनी के लिए लाभ है। यह दर्शाता है कि जो राशि कम्पनी ने अंशों को जब्त करने तथा पुनर्निर्गमित पर प्राप्त की वह अधिक है। यह लाभ पूंजीगत लाभ (Capital Profit) है। इसलिए इसका हस्तांतरण " संचित पूंजी कोष खातें" (Capital Reserve Account) में किया जाएगा तथा निम्न रोजनामचा प्रविष्टि की जायेगीः

Share Forfeited A/c Dr

To Capital Reserve A/c

(Being the excess money in share forfeited A/c of the reissued shares transferred to Capital Reserve A/c)

	Company's Name	
Voucher No.........		**Date..................** *Amount Rs.*
Debit	Share Forfeited A/c	
Credit	Share Capital A/c (Being the amount of profit on reissue of forfeited shares transferred to Capital Reserve A/c.	
Sd/- Manager		Sd/- Accountant

स्मरण रहे कि जब अंश जब्त खाते से लाभ का हस्तांतरण "संचित पूंजी कोष" में किया जाता है तो पुनर्निर्गमित अंशों के संदर्भ में "जब्त अंश खाते" का शेष शून्य होगा। लेकिन जिन जब्त किए गए अंशा का अभी पुनर्निर्गमन नहीं हुआ, उन पर प्राप्त राशि "जब्त अंश खाते" में ही रहेगी।

गणितीय दृष्टिकोण सेः

संचित पूंजी कोष खाते में हस्तांतरित राशि = पुनर्निमित अंशों पर जब्त राशि. पुर्निर्गमन पर दिया गया बट्टा।

पाठगत प्रश्न 27.2

नीचे कुछ कथन दिये गये हैं। उनमें से कुछ कथन सही हैं तथा कुछ गलत। सही कथनों के सामने 'स' तथा गलत कथनों के सामने 'ग' लिखियेः

(i) अंशों के पुनर्निर्मिन का निर्णय निदेशक लेते हैं।

(ii) अंशों का पुनर्निर्गमन विवरण-पत्र जारी करने के पश्चात् ही किया जा सकता है।

(iii) निदेशकों द्वारा पुनर्निर्गमन के लिए पारित किया गया प्रस्ताव लेखा-पुस्तकों में अंशों के पुनर्निर्गमन का सहायक प्रमाणक होता है।

(iv) जब्त किए गए सभी अंशों का पुनर्निर्गमन हमेशा एक साथ ही किया जाता है।

(v) पुनर्निर्गमित अंशों के मूल्य को प्राप्ति पर लेखा करने के लिए डेबिट प्रमाणक बनाया जाता है।

29.5 अंशों के पुनर्निर्गमन की लेखांकन प्रक्रिया-

इस पाठ के पिछले दोनों अनुभागो से प्राप्त जानकारी के आधार पर हम पुनर्निर्गमन के समय बनाए जाने वाले लेखांकन प्रमाणक बना सकते हैं और स्पष्ट रूप से यह क्रिया समझने के लिए आईये पुनर्निर्गमन की निम्नलिखित स्थितियों के आधार पर कुछ उदाहरण लेंः

(i) (सममूल्य पर पहले जारी किए गए) अंशों का बट्टे पर पुनर्निर्गमन

(ii) (सममूल्य पर पहले जारी किए गए) अंशों का सममूल्य तथा अधिमूल्य पर पुनर्निर्गमन

(iii) (अधिमूल्य पर जारी किए गए) अंशों का सममूल्य, अधिमूल्य या बट्टे पर पुनर्निर्गमन।

(iv) (बट्टे पर जारी किए गए) अंशों का सममूल्य, अधिमूल्य या बट्टे पर पुनर्निर्गमन।

आइए, उपरोक्त प्रत्येक विकल्प को अब उदाहरण की सहायता से समझें।

1. (सममूल्य पर जारी किए गए) अंशों का बट्टे पर पुनर्निर्गमन

यदि सममूल्य पर जारी किए गए अंशों को जब्त किया जाए तो जब्त की हुई राशि "जब्त अंश खाते" के क्रेडिट में लिखी रहती है तथा पुनर्निर्गमन के समय यही राशि अधिकतम बट्टे के रूप में क्रेता को दी जा सकती है। आइये एक उदाहरण लेंः

उदाहरण 1

Rakesh Ltd forfeited 100 shares of Rs. 10 each, fully called-up, on which Rs.7 per share was in arrears. Later on the Company decided to reissue these shares for Rs.9 per share, as fully paid up. Give the accounting voucher and Journal entries for recording the **reissue of shares**.

हलः

रोजनामचा प्रविष्ठियांः

(i) Share capital A/c (100×10) Dr. 1,000
  To share forfeited A/c (100×3) 300
  To Unpaid Calls A/c (100×7) 700
 (Being 100 shares forfeited on which Rs. 3 per share were paid)

(ii) Bank A/c Dr. (100×9) 900
 Share forfeited A/c Dr (100×1) 100
  To Share Capital A/c(100×10) 1,000
 (Being 100 shares reissued @ Rs.9 each)

(iii) Share forfeited A/c Dr 200
  To Capital Reserve A/c 200
 (Being the excess amount in share forfeited A/c transferred to Capital Reserve A/c)

इस स्थिति में कम्पनी अधिक से अधिक 3 रुपये प्रति अंश के हिसाब से छूट दे सकती है। परन्तु इस प्रश्न में कम्पनी 1 रुपया प्रति अंश के हिसाब से छूट दे रही है।

उपरोक्त प्रविष्टि का लेखा करने के लिए निम्नलिखित क्रेडिट प्रमाणक बनाया जाएगा।

जमा प्रमाणकः

Credit Voucher

RAKESH LTD.		
Voucher No....1.....		**Date..................**
		Amount Rs.
Credit	Share Capital A/c Being the amount received on account of re-issue of 100 forfeited shares @ Rs.9	900
		900
Sd/- Manager		Sd/- Accountant

(ii) **Transfer Voucher**

RAKESH Ltd.

Voucher No.....2....	Date.................. *Amount Rs.*
Debit Share Forfeited A/c	100
	100
Credit Share Capital A/c Being the amount of discount allowed on re-issue of 100 forfeited shares	100
	100
Sd/- Manager	Sd/- Accountant

जैसा कि पहले भी बताया गया है कि जब्त अंश खाते में जमा की राशि को संचित पूंजी कोष खाते में हस्तांतरित कर दिया जाएगा और इस स्थिति में निम्नलिखित लेखा प्रमाणक बनाया जाएगा।

TRANSFER VOUCHER

Rakesh Ltd.

Voucher No....3.....	Date.................. *Amount Rs.*
Debit Share Forfeited A/c	200
	200
Credit Capital Reserve A/c Being the remaining amount in the shares forefeited A/c transferred to 'Capital Reserve A/c'	200
	200
Sd/- Manager	Sd/- Accountant

इस स्थिति में जब्त अंश खाते में क्रेडिट 200 रुपये शेष है (अधिकतम बट्टे की राशि 300 रुपये-पुनर्निर्गमन के समय दिया गया बट्टा 100 रुपये)

(अधिकतम बट्टे की राशि जब्त किए गए अंशों पर प्राप्त मूल्य है जो कि इस स्थिति में 100X3 = 300 रु.)

उपरोक्त उदाहरण में आपने देखा कि सभी जब्त किए गए अंशों का पुनर्निर्गमन एक साथ ही किया गया। लेकिन यदि इनके कुछ भाग का ही पुनर्निर्गमन होता तो "संचित पूंजी कोष खाते" में भी आनुपातिक लाभ का ही हस्तांतरण होता।

गणितीय भाषा में हम यह कह सकते हैं कि

संचित पूंजी कोष खाता = जब्त अंशों पर जब्त की गई धनराशि में हस्तांतरित राशि – पुनर्निर्गमन के समय दिया गया बट्टा।

यदि उपरोक्त उदाहरण में केवल 60 अंशों को 9 रुपये प्रति अंश मूल्य पर पुनर्निर्गमन किया जाता तो रोजनामचा प्रविष्टियां निम्न होंगी:

(i) Bank A/c Dr. (60×9) 540

Share forfeited A/c Dr. (60×1) 60

To Share Capital A/c (60×10) 600

(Being 60 shares reissued @ Rs.9 each)

(ii) Share forfeited A/c Dr. 120

To Capital Reserve 120

(Excess money in Share forfeited A/c of reissued 60 shares transferred to Capital Reserve A/c).

लेखा-प्रमाणक निम्न प्रकार से तैयार किये जाते।

Rakesh Ltd. **Voucher No............**	**Date..................** ***Amount Rs.***
Credit Share Capital A/c (Being the amount received on re-issue of 60 forfeited shares)	540
	540
Sd/- Manager	Sd/- Accountant

Rakesh Ltd. Voucher No......... Date..................		Amount Rs.
Debit	Share Forfeited A/c	60
		60
Credit	Share Capital A/c Being the amount of discount allowed on re-issue of 60 forfeited shares	60
		60
Sd/- Manager		Sd/- Accountant

"संचित पूंजी कोष खाते" में जब्त अंश खाते से शेष धनराशि के हस्तांतरण के लिए निम्नलिखित लेखांकन-प्रमाणक बनाया जाएगाः

Rakesh Ltd. Voucher No...........Date..................		Amount Rs.
Debit	Share Forfeited A/c	120
		120
Credit	Capital Reserve A/c (Being the proportionate balance of the share Forfeited account transferred to 'Capital Reserve A/c')	120
		120
Sd/- Manager		Sd/- Accountant

संचित पूंजी कोष खाते में हस्तांतरित की जाने वाली राशि की गणना निम्न प्रकार से होगी -

(i) 60 अंशों पर जब्त की गई राशि $= \frac{300}{100} \times 60 = 180$ रु०

(ii) घटा पुनर्निर्गमन के समय दिया गया बट्टा $= (60 \times 1) = 60$ रु०

$= 120$ रु०

(100 अंशों पर जब्त की गई राशि 300 रु० है अतः 60 अंशों पर जब्त की गई राशि 180 रु० होगी)

2. (सममूल्य पर जारी किए गए) अंशों का अधिमूल्य या सममूल्य पर पुनर्निर्गमन :-

आइये अब एक अन्य स्थिति को उदाहरण द्वारा समझें।

उदाहरण : 2

Moonstar Ltd. forfeits 100 shares of Rs.10/- each on which the call of Rs.5/- was in arrears. The company decided to reissue these shares :

(i) at the rate of Rs.12/- each (at premium)

(ii) at the rate of Rs.10/- each (at par)

Show the accounting treatment in both cases:

हल

रोजनामचा प्रविष्ठियां : Case (i)

(i) Bank A/c Dr.(100×12) 1,200

To Share Capital A/c (100×10) 1,000

To Share Premium A/c (100×2) 200

(ii) Share forfeited A/c Dr. 500

To Capital Reserve A/c 500

निम्नलिखित प्रमाणक तैयार किये जायेंगे:

	Moon-Star Ltd. **Voucher No...........Date..................**	***Amount Rs.***
Credit	Share Capital A/c Share Premium A/c Being the amount received on reissue of 100 forfeited shares at premium	1,000 200 1,200
Sd/- Manager		Sd/- Accountant

Moon-Star Ltd. Voucher No. .... Date..................	Amount Rs.
Debit <u>Share Forfeited A/c</u>	500
	500
Credit <u>Capital Reserve A/c</u> Being the total amount remaining after reissue of forfeited shares transferred to Capital Reserve A/c	500
	500
Sd/- Manager	Sd/- Accountant

जब सममूल्य पर जारी अंशों को अधिमूल्य पर पुनर्निर्गमित किया जाता है तो भी "जब्त अंश खाते" की पूरी शेष राशि का हस्तांतरण "संचित पूंजी कोष खाते" में कर दिया जायेगा।

रोजनामचा प्रविष्ठियां : Case (ii)

(i)	Bank A/c Dr. (100×10)	1,000	
	To Share Capital A/c (100×10)		1,000
(ii)	Share forfeited A/c Dr. (100×5)	500	
	To Capital Reserve A/c (100×5)		500

निम्नलिखित प्रमाणक तैयार किये जायेंगेः

Moon-Star Ltd. Voucher No...........Date..................	Amount Rs.
Credit <u>Share Capital A/c</u> Being the amount received on reissue of 100 forfeited shares at par	1,000
	1,000
Sd/- Manager	Sd/- Accountant

Moon-Star Ltd. Voucher No...........Date..................	Amount Rs.
Debit Share Forfeited A/c	500
	500
Credit Capital reserve A/c Being the total amount forfeited on shares reissued transferred to Capital Reserve A/c	500
	500
Sd/- Manager	Sd/- Accountant

यदि सममूल्य पर जारी अंशों को सममूल्य पर ही पुनर्निर्गमित किया जाता है तो भी "जब्त अंश खाते" की पूरी शेष राशि का हस्तांतरण "संचित पूंजी कोष खाते" में कर दिया जायेगा।

3. (अधिमूल्य पर जारी) अंशों का सममूल्य बट्टे या अधिमूल्य पर पुनर्निर्गमन :-

यह आवश्यक नहीं कि अंशों को पहले अधिमूल्य पर जारी किया गया था तो उनका पुनर्निर्गमन भी अधिमूल्य पर ही हो अथवा उतने ही अधिमूल्य पर हो। परन्तु यदि अधिमूल्य की राशि प्राप्त कर ली गई हो तो उसे "अंश अधिमूल्य खाते" में जमा पक्ष की ओर प्रविष्ट कर देना चाहिए। आइये, इसे समझने के लिए एक उदाहरण लें:-

उदाहरण 3

A company forfeits 100 shares of Rs.10 each, originally issued at a premium of Rs.2 per share. The shareholder paid Rs.4 per share on application but did not pay the allotment money of Rs. 4 per share (including premium) and call of Rs.4 per share. Prepare the necessary accounting Vouchers or pass Journal entries if the forfeited shares are issued at :

(i) Rs. 10 per share (at Par)

(ii) Rs. 6 per Share (at discount)

(iii) Rs.11 per Share (at Premium)

हल

रोजनामचा प्रविष्ठियां (अंशो के जब्त करने के लिए)

Share Capital A/c Dr. (100×10) 1,000
Share Premium A/c Dr. (100×2) 200

To share forfeited A/c (100×4) 400
To Share Allotment A/c (100×4) 400
To Share first & Final Call A/c (100×4) 400
(Being 100 shares of Rs. 10 each, issued at a premium of Rs. 2 each forfeited due to the non-payment of allotment @ Rs.4/- & Call money @ Rs.4 each share)

जब्त करने के लेनदेन का लेखे के लिए निम्न लेखांकन प्रमाणक तैयार किये जायेंगे

Company's Name		
Voucher No........		**Date..................**
		Amount Rs.
Debit	Share Capital A/c (100×10) Share Premium A/c (100×2)	1,000 200
		1,200
Credit	Call-in-Arrears A/c i) Share Allotment (100×4) 400 ii) Share First & Final Call (100×4) 400	800
	Shares Forfeited A/c (100×4) (Being 100 shares issued at a premium of Rs.2 each forfeited due to non-payment of allotment and call money)	400
		1,200
Sd/- Manager		Sd/- Accountant

अंशो को पुनर्निगमित करने की विभिन्न स्थितियों में निम्नलिखित रोजनामचा प्रविष्ठियाँ तथा प्रमाणक बनाए जायगें:

रोजनामचा प्रविष्टियाँ (स्थिति 1 के संदर्भ में)

(i) Bank A/c Dr (100×10) 1,000
To Share Capital A/c (100×10) 1,000

(ii) Share Forfeited A/c Dr. 400
To Capital Reserve A/c 400

स्थिति (1) जब सममूल्य पर पुनर्निर्गमित किया जाए।

Company's Name

Voucher No.......... **Date..................**

		Amount Rs.
Credit	Share Capital A/c Being the amount received on reissue of 100 forfeited shares at Par	1,000
		1,000

Sd/- Manager — Sd/- Accountant

Company's Name

Voucher No........ **Date..................**

		Amount Rs.
Debit	Share Forfeited A/c	400
		400
Credit	Capital Reserve A/c Being the total amount forfeited on shares reissued transferred to Capital Reserve A/c	400
		400

Sd/- Manager — Sd/- Accountant

स्थिति (II) जब अंशो को बट्टे पर पुनर्निर्गमित किया जाए।

रोजनामचा प्रविष्ठि

Bank A/c Dr.(100×6) 600
Share forfeited A/c Dr. (100×4) 400
To Share Capital A/c 1,000

इस स्थिति में अधिकतम बट्टे की राशि 400 रुपये है तथा कम्पनी द्वारा दिया गया बट्टा भी 4 रुपये प्रति अंश की दर से 100 x 4 = 400 रुपये है। अर्थात् इस स्थिति में जब्त अंश

खाते में कोई राशि शेष नहीं रही तथा इसीलिए संचित पूंजी कोष खाते में भी कोई राशि हस्तान्तरित नहीं की जायेगी तथा कोई भी हस्तान्तरण प्रमाणक नहीं बनाया जायेगा।

Credit Voucher

Company's Name **Voucher No.........** **Date.................**	***Amount Rs.***
Credit Share Capital A/c (Being the amount received on reissue of 100 forfeited shares @ Rs.6 per share)	600
	600
Sd/- Manager	Sd/- Accountant

Company's Name **Voucher No.........** **Date.................**	***Amount Rs.***
Debit Share Forfeited A/c	400
	400
Credit Share Capital A/c (Being the amount of discount allowed at the time of reissue of 100 forfeited shares)	400
	400
Sd/- Manager	Sd/- Accountant

स्थिति (III) जब अंशों को अधिमूल्य पर पुनर्निर्गमित किया जाए

रोजनामचा प्रविष्ठियां

(1)	Bank A/c Dr.(100×11)	1,100	
	To Share capital A/c		1,000
	To Share Premium A/c		100
(ii)	Share forfeited A/c Dr.	400	
	To Capital Reserve A/c		400

निम्न लेखांकन प्रमाणक किये जायेंगे (स्थिति III के संदर्भ में)

Company's Name

Voucher No.......... **Date..................**

		Amount *Rs.*
Credit	Share Capital A/c	1,000
	Share Premium A/c	100
	(Being the 100 forfeited Shares are reissued at Rs.11 per share including premium)	
		1,100

Sd/- Manager — Sd/- Accountant

Company's Name

Voucher No......... **Date..................**

		Amount *Rs.*
Debit	Share Forfeited A/c	400
		400
Credit	Capital Reserve A/c	400
	Being the amount of profit on Shares forfeited transferred to Capital Reserve A/c	
		400

Sd/- Manager — Sd/- Accountant

इस स्थिति में अंशों का पुनर्निर्गमन अधिमूल्य पर हुआ है। इसलिए जब्त अंश खाते की सारी शेष राशि का हस्तांतरण संचित पूंजी कोष खाते में हो जाएगा।

4. (बट्टे पर जारी) अंशों का सममूल्य, अधिमूल्य या बट्टे पर पुनर्निर्गमन

अंशों को जारी करते समय दिया गया बट्टा उन्हें जब्त करते समय रद्द कर दिया जाता है क्योंकि अब कम्पनी को अंशों को जारी करते समय बट्टे खाते के नाम में दिखाई गई हानि सहन नहीं करनी पड़ेगी। यही बट्टा अंश बट्टे खाते में डेबिट कर दिया जाता है।

आइये निम्न उदाहरण देखें :

उदाहरण 4

Modi Ltd. issued 150 shares of Rs. 25 each to Naresh at a discount of Rs.2 per share. He failed to pay the final call of Rs.10 and his shares were forfeited. Later on, the company had the option to reissue 100 shares at a price of (i) Rs.20 (ii) Rs. 25 (iii) Rs.30.

How will you record the forfeiture and reissue of shares in the books of the company in each of the above cases?

हल:

जब्त किए गए अंशों का लेखा करने के लिए निम्न रोजनामचा प्रविष्ठी तथा हस्तान्तरण प्रमाणक तैयार किया जाएगा।

निम्न लेखा प्रमाणक तैयार किया जायेगा।

रोजनामचा प्रविष्ठी

Share Capital A/c Dr. (150×25)	3,750	
To share forfeited A/c (150×13)		1,950
To discount on issue of shares A/c (150×12)		300
To unpaid calls A/c (150×10)		1,500
(Being 150 shares forfeited issued at a discount of Rs.2 per share and received thereon Rs.13 per share)		

Modi Ltd.

Voucher No........ Date..................

		Amount Rs.
Debit	Share Capital A/c (150× 25)	3,750
		3,750
Credit	Call-in-Arrears A/c (150×10)	1,500
	Shares Forfeited A/c (150×13)	1,950
	Discount on Issue of Shares A/c (150×2)	300
	(Being 150 shares forfeited issued at a discount of Rs.2 per share and received thereon Rs.13 per share)	
		3,750

Sd/-
Manager

Sd/-
Accountant

जब जब्त किए हुए 100 अंशों का पुनर्निर्गमन होगा तो विभिन्न परिस्थितियों में निम्न रोजनामचा प्रविष्ठियां तथा लेखांकन प्रमाणक इस प्रकार तैयार किए जाएंगे।

(i) पुनर्निर्गमन मूल्य 20 रुपये प्रति अंश

रोजनामचा प्रविष्ठियां

(i)	Bank A/c Dr. (100×20)	2,000	
	Discount on re-issue of shares A/c Dr. (100×2)	200	
	Share forfeited A/c Dr. (100×3)	300	
	To Share Capital A/c (100×25)		2,500
(ii)	Share forfeited A/c Dr.	1,000	
	To Capital Reserve A/c (100×10)		1,000

Modi Ltd.

Voucher No......... **Date..................**

		Amount Rs.
Credit	Share Capital A/c (Being the money received on reissue of 100 forfeited shares @ Rs.20/- per share)	2,000
		2,000
Sd/- Manager		Sd/- Accountant

Modi Ltd.

Voucher No........ **Date..................**

		Amount Rs.
Debit	Discount on Issue of Shares A/c (100×2)	200
	Share Forfeited A/c (100×3)	300
		500
Credit	Share Capital A/c (100×5)	500
		500
Sd/- Manager		Sd/- Accountant

150 अंशों के लिए छूट की राशि 300 रुपये है तो 100 अंशों के लिए छूट की राशि

$\frac{300}{150} \times 100 = 200$ रुपये

Modi Ltd. Voucher No........ Date..................	Amount Rs.
Debit Share Forfeited A/c (100×10)	1,000
	1,000
Credit Capital Reserve A/c (100×10) Being the proportionate amount in the Shares Forfeited A/c transferred to Capital Reserve A/c (Amount received on 100 forfeited shares @ Rs. 13/- each= 1,300) Less : Amount allowed as discount on reissue of 100 forfeited shares @ Rs.3/- –300 1,300-300=1,000	1,000
	1,000
Sd/- Manager	Sd/- Accountant

(ii) पुनर्निर्गमन मूल्य 25 रुपये प्रति अंश 100 अंश

रोजनामचा प्रविष्ठियां

(i) Bank A/c Dr. (100×25) 2,500

To Share capital A/c (100×25) 2,500

(ii) Share forfeited A/c Dr. (100×13) 1,300

To Capital Reserve A/c (100×13) 1,300

निम्न लेखांकन प्रमाणक तैयार किये जायेंगे:

Modi Ltd. Voucher No......... Date..................	Amount Rs.
Credit Share Capital A/c (100×25) Being the amount received on reissue of 100 forfeited shares @ Rs.25/- per share	2,500
	2,500
Sd/- Manager	Sd/- Accountant

Modi Ltd.		
Voucher No........		**Date..................**
		Amount Rs.
Debit	Share Forfeited A/c (100×13)	1,300
		1,300
Credit	Capital Reserve A/c (100×13) (Being the total amount of 100 forfeited shares in the shares forfeited A/c transferred to Capital Reserve A/c)	1,300
		1,300
Sd/- Manager		Sd/- Accountant

(iii) पुनर्निर्गमन मूल्य 30 रुपये प्रति अंश

रोजनामचा प्रविष्ठियां

(i) Bank A/c Dr. (100×30) 3,000

To Share Capital A/c (100×25) 2,500
To Share Premium A/c (100×5) 500

(ii) Share forfeited A/c Dr. (100×13) 1,300

To Capital Reserve A/c (100×13) 1,300

निम्न लेखांकन प्रमाणक तैयार किये जायेंगे:

Modi Ltd.		
Voucher No.........		**Date..................**
		Amount Rs.
Credit	Share Capital A/c Share Premium A/c Being the amount received on reissue of 100 forfeited shares at premium	2,500 500
		3,000
Sd/- Manager		Sd/- Accountant

Modi Ltd.		
Voucher No........	Date..................	***Amount Rs.***
Debit	Share Forfeited A/c	1,300
		1,300
Credit	Capital Reserve A/c Being the total amount of 100 forfeited shares in the Share forfeited A/c transferred to 'Capital Reserve A/c'	1,300
		1,300
Sd/- Manager		Sd/- Accountant

पाठगत प्रश्न 29..3

(क) उन विभिन्न स्थितियों का ब्यौरा लिखिए जिनमें जब्त अंश खाते की सारी राशि संचित पूंजी कोष खाते में हस्तान्तरित कर दी जाती है।

(1) सममूल्य पर जारी अंशों का............पुनर्निर्गमन

(2) अधिमूल्य पर जारी अंशों................पुनर्निर्गमन

ख. X Ltd. forfeited 20 shares of Rs. 10 each on which Rs.6 per share were paid. What amount will be transferred to capital reserve if out of these shares 8 shares were re-issued to Hari as fully paid up on payment of Rs.5.50 per share.

____

ग. In the above case what amount will stand to the credit of Share Forfeited A/c.

____

29.6 आपने क्या सीखा है।

i) पुनर्निर्गमन का अर्थ — जब्त किए अंशों का कंपनी द्वारा इच्छानुसार दोबारा विक्रय।

ii)	पुनर्निर्गमन के समय ध्यान रखने योग्य महत्वपूर्ण बातें	1. पुनर्निर्गमन के समय याचित राशि 2. पुनर्निर्गमन मूल्य 3. जब्त अंशों पर प्राप्त राशि 4. बट्टे के रूप में दी गई राशि
iii)	पुनर्निर्गमन के समय दिया जाने वाला अधिकतम बट्टा	1. सममूल्य या अधिमूल्य पर जारी अंशों के जब्त होने के समय प्राप्त राशि 2. बट्टे पर जारी अंशों के पूर्व निर्गमन समय दिया गया बट्टा तथा जब्त राशि का योग
iv)	लेखांकन	निदेशक मंडल द्वारा अंशों के पुनर्निर्गमन के संबंध में पारित प्रस्ताव सहायक प्रमाणक का कार्य करता है।

29.7 पाठान्त प्रश्न

1. अंश जब्त करने से क्या अभिप्राय है?
2. किन किन परिस्थितियों में कम्पनी के निदेशक अंश जब्त कर सकते हैं?
3. पुनर्निर्गमन के समय छूट की अधिकतम सीमा क्या होगी यदि जब्त किए हुए अंश प्रथम निर्गमन के समय (सममूल्य) (अधिमूल्य अथवा) छूट पर जारी किए गए हैं?

प्रयोगात्मक प्रश्न

4. Pass journal entries and Prepare the relevant accounting vouchers in the following cases:
   (a) X Ltd. forfeited 30 shares of Rs.10 each fully called-up, held by Karim for non-payment of allotment money of Rs.3 per share and final call of Rs. 4 per share. He had paid the applcation money of Rs.3 per share. These shares were reissued to Salim for Rs.8 per share.
   (b) X Ltd. forfeited 20 shares of Rs.10 each, Rs.7 called up on which Mahesh had paid application and allotment money of Rs. 5 per share. Out of these 15 shares were reissued to Naresh as fully paid up for Rs.6 per shre.
   (c) X Ltd. forfeited 10 shares of Rs.10 each, Rs. 6 called-up issued at a discount 10% to Neeta on which she had paid Rs. 2 per share. Out of these, 8 shares were reissued to Meeta as Rs.8 called-up for Rs.6 per share.
5. Pass journal entries and Prepare the accounting vouchers for the following cases of forfeiture as well as of reissue.

(i) Lovely Ltd. issued 250 shares of Rs.10 each to Madan on which he had paid Rs.2 on application but failed to pay allotment money of Rs. 3 and the first call money of Rs.4. Before the secc . call of Rs.1 was made, his shares were forfeited. The company decides to reissue all the 250 shares @ Rs.8 fully paid-up.

(ii) A company issued 10,000 shares of Rs.10 each at premium of Rs.2 payable @ Rs.2 on application, Rs.3 on allotment (including premium), Rs.4 on First Call and Rs.3 on Final Call. 250 shares allotted to Jagdish were forfeited by the Company on account of non-payment of First and Second Calls. 200 of these shares were reissued @ Rs.11.

29.8 पाठगत प्रश्नों के उत्तर

(क) (i) एक बार जारी किए अंशों के दोबारा निर्गमन से है।

(ii) जब्त अंशों पर याचित राशि में से प्राप्त राशि हो सकती है।

(iii) जब्त राशि तथा पूर्वनिर्गमन के समय दी गई बट्टे की राशि।

(iv) कंपनी के निदेशकों।

(ख) अंशों के दोबारा जारी करने से प्राप्त मूल्य होता है।

(ख) (i) 4,500 रुपये (150 x 300 रुपये)

(ii) 10,000 रुपये (500 x 20 रुपये)

(iii) 1,300 रुपये (13 x 100 + 1 x 100)

37.2 (i) (ii) (iii)

37.3 (क) (i) सममूल्य, अधिमूल्य (ii) सममूल्य, अधिमूल्य

(ख) 12 रुपये

(ग) 72 रुपये

29.9 पाठान्त प्रश्न

4. (a) Amount Transferred to Capital Reserve A/c Rs.30/-

(b) Amount Transferred to Capital Reserve A/c Rs.15/-

(c) Amount Transferred to Capital Reserve A/c Rs.8/-

5. (i) Amount Transferred to Capital Reserve A/c NIL

(ii) Amount Transferred to Capital Reserve A/c Rs.800/-